बाबा तेरे संग हम चलते जायेंगे
तेरी छत्रछाया में हम पलते जायेंगे
विनाशी देह के सारे बन्धन हैं फीके
तेरे पवित्र प्रेम के रंग में रंगते जायेंगे
दूषित हुआ है विकारों से जग सारा
दिव्य गुणों से हम इसको महकायेंगे
माया के वार से हम बचने की खातिर
बाबा के दिल की डिब्बी में छिप जायेंगे
फैला है अज्ञान का अँधेरा चारों और
चैतन्य दीपक बन जग को चमकाएंगे
रखे कोई वैर विरोध कितना भी हमसे
गुणों की माला दुश्मन को पहनाएंगे
पुरानी दुनिया में अब दिल क्या लगाना
नई दुनिया के सपनो में हम खो जायेंगे
ॐ शांति